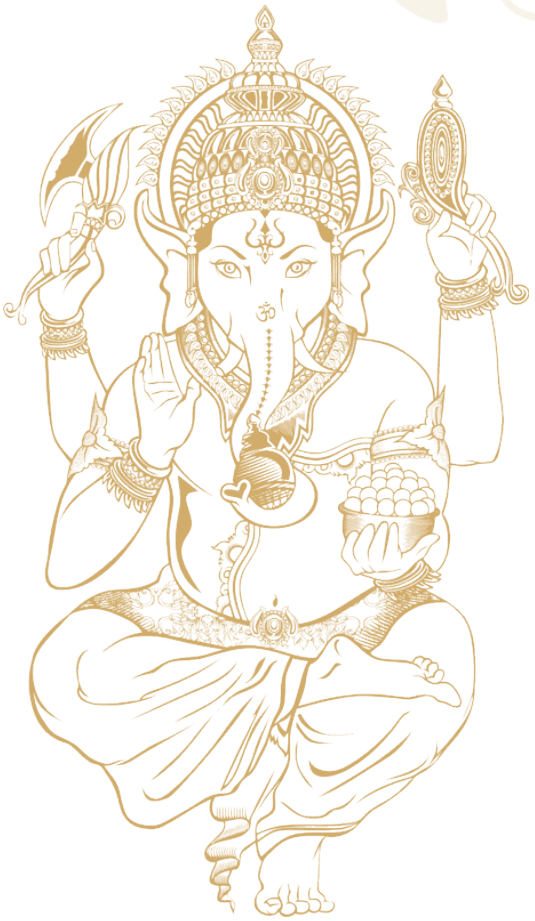

Mr. Rajneesh

15 Nov 1986

05:23 AM

Chamba

Model: web-freekundliweb

Order No: 121575907

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/11/1986**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**05:23:00 घंटे**
इष्ट	56:12:46 घटी
स्थान	**Chamba**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	32:33:00 उत्तर
रेखांश	76:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:57:40 घंटे
वेलान्तर	00:15:39 घंटे
साम्पातिक काल	08:32:48 घंटे
सूर्योदय	06:53:53 घंटे
सूर्यास्त	17:25:24 घंटे
दिनमान	10:31:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	28:38:40 तुला
लग्न के अंश	08:42:53 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्यतिपात
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	08:42:53	302:28:37	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
सूर्य			तुला	28:38:40	01:00:24	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			मेष	11:42:55	12:18:13	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			मक	28:55:02	00:39:31	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध	व	अ	तुला	24:26:41	01:15:01	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	19:22:17	00:01:21	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
शुक्र	व		तुला	13:44:59	00:26:27	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			वृश्चि	16:13:29	00:06:53	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	27:02:48	00:01:53	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	27:02:48	00:01:53	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	27:08:00	00:03:19	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप			धनु	10:20:53	00:01:48	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	14:13:23	00:02:22	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	12:09:18	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:18

लग्न-चलित

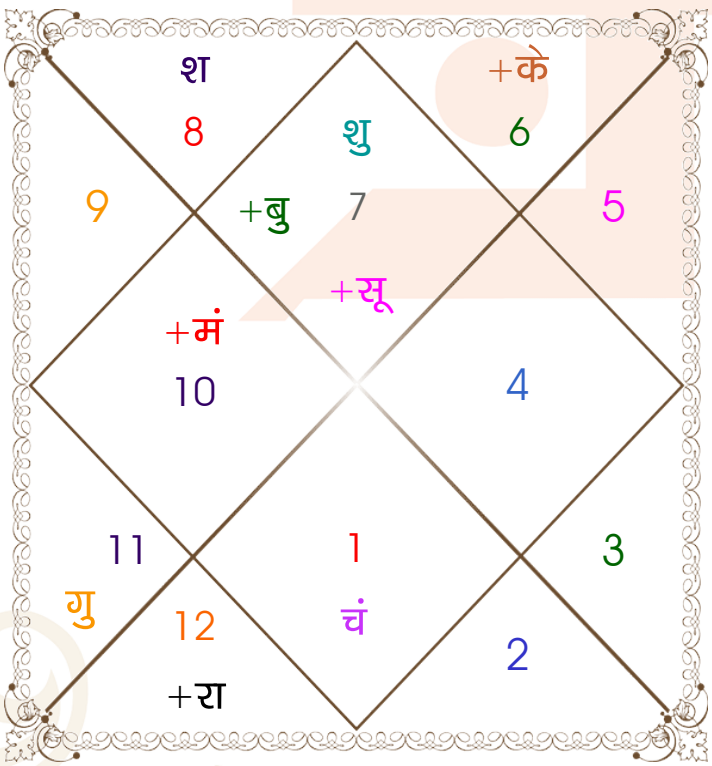

चन्द्र कुंडली

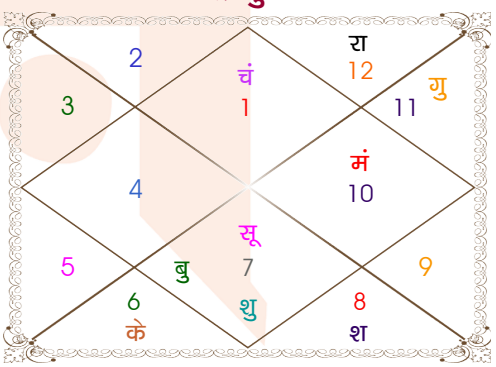

नवमांश कुंडली

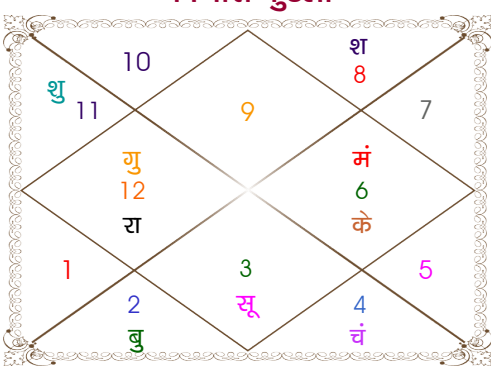

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 10 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/11/1986		21/09/1987		21/09/2007		20/09/2013		21/09/2023	
21/09/1987		21/09/2007		20/09/2013		21/09/2023		21/09/2030	
	00/00/0000	शुक्र	20/01/1991	सूर्य	09/01/2008	चंद्र	22/07/2014	मंगल	17/02/2024
	00/00/0000	सूर्य	21/01/1992	चंद्र	09/07/2008	मंगल	20/02/2015	राहु	07/03/2025
	00/00/0000	चंद्र	20/09/1993	मंगल	14/11/2008	राहु	21/08/2016	गुरु	11/02/2026
	00/00/0000	मंगल	21/11/1994	राहु	09/10/2009	गुरु	21/12/2017	शनि	22/03/2027
	00/00/0000	राहु	20/11/1997	गुरु	28/07/2010	शनि	22/07/2019	बुध	19/03/2028
	00/00/0000	गुरु	21/07/2000	शनि	10/07/2011	बुध	21/12/2020	केतु	15/08/2028
	00/00/0000	शनि	21/09/2003	बुध	15/05/2012	केतु	22/07/2021	शुक्र	15/10/2029
	15/11/1986	बुध	22/07/2006	केतु	20/09/2012	शुक्र	22/03/2023	सूर्य	20/02/2030
बुध	21/09/1987	केतु	21/09/2007	शुक्र	20/09/2013	सूर्य	21/09/2023	चंद्र	21/09/2030

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/09/2030		20/09/2048		20/09/2064		21/09/2083		21/09/2100	
20/09/2048		20/09/2064		21/09/2083		21/09/2100		16/11/2106	
राहु	03/06/2033	गुरु	08/11/2050	शनि	24/09/2067	बुध	17/02/2086	केतु	17/02/2101
गुरु	28/10/2035	शनि	22/05/2053	बुध	03/06/2070	केतु	14/02/2087	शुक्र	20/04/2102
शनि	02/09/2038	बुध	28/08/2055	केतु	13/07/2071	शुक्र	15/12/2089	सूर्य	25/08/2102
बुध	22/03/2041	केतु	03/08/2056	शुक्र	12/09/2074	सूर्य	21/10/2090	चंद्र	26/03/2103
केतु	09/04/2042	शुक्र	04/04/2059	सूर्य	25/08/2075	चंद्र	22/03/2092	मंगल	23/08/2103
शुक्र	09/04/2045	सूर्य	21/01/2060	चंद्र	25/03/2077	मंगल	19/03/2093	राहु	09/09/2104
सूर्य	04/03/2046	चंद्र	22/05/2061	मंगल	04/05/2078	राहु	06/10/2095	गुरु	16/08/2105
चंद्र	03/09/2047	मंगल	28/04/2062	राहु	10/03/2081	गुरु	11/01/2098	शनि	25/09/2106
मंगल	20/09/2048	राहु	20/09/2064	गुरु	21/09/2083	शनि	21/09/2100	बुध	16/11/2106

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 10 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव के उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखते हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकते हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि के श्रद्धावान हो सकते है। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगे। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहते हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

आप निश्चय पूर्वक धनी होंगे। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगे। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शक नहीं करेंगे कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखते हैं। परंतु आप अपनी पत्नी के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगे। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपनी पत्नी एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगे।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगे। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगे। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरूदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी। आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगे। आप अपने अच्छी शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि के प्राणी होंगे।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करता है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगे। आप वास्तव में मित्रों के मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।